तापमान
अधिकतम 39 .1 डिग्री
न्यूनतम 21.5 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, मंगलवार 23 जून 2026

11 दमकल कर्मियों ने सरकार पर वादाखिलाफी का लगाया आरोप

12 बाबा शंकरनाथ की समाधि पर उमड़ी आस्था

खबर संक्षेप

आईएमटी में ट्राले की टक्कर से युवक की मौत

खरखौदा। आईएमटी खरखौदा में हुए सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर ट्राला चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गुरुग्राम जिले के सादराणा स्थित शिव कॉलोनी निवासी कैलाश चंद ने पुलिस को बताया कि उनका पुत्र संजय मठपाल (32) आईएमटी खरखौदा स्थित एक निजी कैंटीन में कार्यरत था और गांव सोहटी में रहकर नौकरी करता था। सोमवार रात ड्यूटी समाप्त कर वह मोटरसाइकिल से गांव लौट रहा था। आईएमटी क्षेत्र में एक कंपनी के गेट नंबर-10 के सामने पहुंचने पर तेज रफ्तार ट्राले ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में वह ट्राले की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है।

दुकान में आगजनी व तोड़फोड़ मामले का चौथा आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। क्राइम यूनिट वेस्ट की टीम ने दुकान के बाहर आगजनी और तोड़फोड़ के मामले में चौथे आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान कोट मोहल्ला निवासी आशीष उर्फ बिल्लू के रूप में हुई है। उसे अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार सैनीपुरा निवासी प्रिंस ने 13 मार्च 2026 को सिविल लाइन थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि विक्रम अपने साथियों के साथ दुकान पर पहुंचा, गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। बाद में आरोपितों ने रात के समय दुकान के बाहर आग लगा दी और तोड़फोड़ की। घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई थी। मामले में पुलिस पहले ही दीपक, रोहित उर्फ बच्ची और विक्रम को गिरफ्तार कर चुकी है। अब चौथे आरोपित की गिरफ्तारी के बाद जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

आतंक का अंत : कुख्यात गोपाल 16 साल तक पुलिस के लिए बना रहा सिरदर्द

■ उम्रकैद की सजा के बावजूद नहीं छोड़ा अपराध का रास्ता ■ पैरोल पर बाहर आकर चार नई वारदातों को दिया अंजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत/गन्नौर

गन्नौर। अपराधी गोपाल।

गन्नौर। एनकाउंटर के बाद मौके का जायजा लेने पहुंचीं पुलिस आयुक्त ममता सिंह।

■ सोनीपत, पानीपत, रोहतक, जींद और दिल्ली तक फैला अपराध का जाल, दो दर्जन से अधिक मुकदमे हुए दर्ज ■ कुख्यात का नेटवर्क खंगाल रही पुलिस

पुलिस मुठभेड़ में मारा गया गांव अटायल निवासी गोपाल कभी एक सामान्य किसान परिवार का युवक था। 10वीं तक पढ़ाई करने वाले गोपाल का नाम वर्ष 2009 में पहली बार आपराधिक मामलों में सामने आया और इसके बाद वह अपराध की दुनिया में लगातार आगे बढ़ता चला गया। करीब 16 वर्षों के दौरान उसने हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, डकैती, अपहरण, रंगदारी, अवैध हथियार और वाहन चोरी जैसी वारदातों के जरिए पुलिस के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दी थी। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार वर्ष 2009 में दर्ज एक दुष्कर्म मामले के बाद उसकी आपराधिक गतिविधियां तेजी से बढ़ीं। इसके बाद चोरी और हत्या के मामलों में उसका नाम सामने आया। समय के साथ उसका नेटवर्क सोनीपत, पानीपत, रोहतक, जींद और दिल्ली तक फैल गया। दो अलग-अलग हत्या मामलों में उसे उम्रकैद की सजा भी हुई, लेकिन जेल जाने के बाद भी उसका प्रभाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ। गोपाल इसी वर्ष मार्च में 70 दिन की पैरोल पर जेल से बाहर आया था। पुलिस के अनुसार पैरोल अवधि में उसने अटायल गांव में शराब ठेके पर हमला, तोड़फोड़ और आगजनी की वारदात को अंजाम दिया। इसके अलावा एक व्यक्ति पर जानलेवा फायरिंग और समालखा क्षेत्र से एक ब्रेजा कार चोरी करने के मामलों में भी उसका नाम सामने आया। पैरोल समाप्त होने के बाद उसने आत्मसमर्पण नहीं किया और फरार हो गया। इस दौरान उसके खिलाफ चार नए मुकदमे दर्ज हुए।

मुठभेड़ में ढेर

गोपाल के अपराध जगत में सक्रिय होने के बावजूद उसका परिवार इससे दूर रहा। उसके पिता रामसिंह खेती-बाड़ी करते थे, जिनका निधन हो चुका है। मां वर्तमान में बेटी के साथ गन्नौर में रहती हैं। वहीं उसका भाई दिल्ली में रहकर विद्यार्थियों को कोचिंग पढ़ाता है। परिवार की सामान्य पृष्ठभूमि और गोपाल के अपराधी जीवन के बीच बड़ा अंतर हमेशा चर्चा का विषय रहा। पुलिस अधिकारियों के अनुसार गोपाल पर हत्या, लूट, अपहरण, रंगदारी, अवैध हथियार और अन्य गंभीर धाराओं के करीब दो दर्जन मुकदमे दर्ज थे। लंबे समय से फरार चल रहे इस अपराधी का अंत सोमवार को पुलिस मुठभेड़ में हो गया।

लेनदेन के विवाद में किसान की ईंटों से हमला कर हत्या, शव सड़क किनारे फेंका

ट्यूबवेल लगाने के दौरान हुई थी कहासुनी जान से मारने की धमकी देने का आरोप

वारदात के बाद आरोपित फरार, चचेरे भाई की शिकायत पर मामला दर्ज, धरपकड़ तेज

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

गांव बरोदा में पुराने रुपये के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में एक किसान की ईंटों से हमला कर हत्या कर दी गई। वारदात रविवार देर रात की बताई जा रही है। पुलिस ने मृतक के चचेरे भाई की शिकायत पर गांव के ही एक युवक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में मृतक के चचेरे भाई रोहित ने बताया कि उसका भाई सिलकराम रविवार को अपने खेत में ट्यूबवेल लगवाने गया था। ट्यूबवेल लगाने के लिए गांव के मोहित उर्फ मीता को बुलाया गया था, जो यह काम करता है। सिलकराम पहले भी उसके साथ ट्यूबवेल लगाने के कार्य पर जाता रहा था। खेत में काम के दौरान दोनों के बीच पुराने रुपये के लेन-देन को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद के दौरान मोहित ने सिलकराम को गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकी दी थी।

गोहाना। वारदात स्थल पर जांच करते पुलिस अधिकारी व मौजूद ग्रामीण।

परिजनों के अनुसार अगले दिन सिलकराम का शव खेत के पास कहैल्पा रोड किनारे पड़ा मिला। उसके सिर, आंख और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटों के निशान थे। आरोप है कि ईंटों से हमला कर उसकी हत्या की गई। घटनास्थल की स्थिति को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि वारदात खेत में हुई और बाद में शव को घसीटकर सड़क किनारे फेंका गया। खेत और शव मिलने के स्थान के बीच करीब 50 मीटर की दूरी बताई गई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया है कि सिलकराम अविवाहित था। मामले में नामजद आरोपित घटना के बाद से फरार है।

मोहित उर्फ मीता पर केस दर्ज

बरोदा थाना प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कि मृतक के चचेरे भाई की शिकायत पर मोहित उर्फ मीता के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। शव का पोस्टमार्टम करा दिया गया है और आरोपित की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एसआईआर ड्यूटी के विरोध में शिक्षकों ने प्रदर्शन किया

सोनीपत। तहसीलदार को ज्ञापन देते हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के पदाधिकारी।

सोनीपत। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने सोमवार को गहन पुनः निरीक्षण (एसआईआर) कार्य में ड्यूटी लगाए जाने और बढ़ते प्रशासनिक दबाव के विरोध में प्रदर्शन किया।

लघु सचिवालय के सामने धरना स्थल पर एकत्रित शिक्षकों ने चुनाव आयुक्त के नाम तहसीलदार कीर्ति को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगें रखीं। संघ के जिला प्रधान नरेंद्र चहल, जिला सचिव दिनेश छिक्कारा और राज्य सचिव जोगिंद्र सिंह ने कहा कि एसआईआर कार्य में बड़ी संख्या में शिक्षकों की ड्यूटी लगाए जाने से स्कूलों में शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गणना प्रपत्र भरने के लिए एक माह का समय निर्धारित होने के बावजूद अधिकारियों द्वारा 4-5 दिनों में कार्य पूरा करने का दबाव बनाया जा रहा है। दिन में दो बार गूगल शीट के माध्यम से रिपोर्ट मांगी जा रही है, जिससे शिक्षकों पर अतिरिक्त बोझ बढ़ रहा है। शिक्षक नेताओं ने कहा कि अधिकांश मतदाता स्वयं प्रपत्र सही तरीके से नहीं भर पाते, जिसके कारण यह कार्य बीएलओ को ही करना पड़ रहा है। जिससे परेशानी हो रही है।

■ मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन की चेतावनी

पुलिस लाइन में जनरल परेड, एसीपी ने परखा अनुशासन

सोनीपत। पुलिस लाइन सोनीपत में रविवार को जनरल परेड का आयोजन किया गया, जिसमें जिला पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। परेड का निरीक्षण एसीपी गन्नौर विपिन अहलावत ने किया। इस दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों की वर्दी, अनुशासन, कार्यकुशलता और परेड प्रदर्शन का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद एसीपी ने पुलिस लाइन परिसर में स्थित विभिन्न शाखाओं और कार्यालयों का भी दौरा किया। उन्होंने अभिलेखों के रखरखाव, कार्यालयीन कार्यप्रणाली और व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अलावा परिसर में खड़े सरकारी वाहनों की स्थिति, साफ-सफाई और रखरखाव का भी निरीक्षण किया गया।

■ कर्मियों की वर्दी, कार्यकुशलता और फिटनेस का लिया जायजा

दयालु योजना के 3 आवेदनों को मंजूरी, 4 की होगी जांच

सोनीपत। दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा (दयालु-2) योजना के तहत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा के लिए सोमवार को उपायुक्त नेहा सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुल 24 आवेदनों पर विचार किया गया, जिनमें से तीन को आर्थिक सहायता के लिए मंजूरी प्रदान की गई। बैठक के दौरान चार मामलों को संदिग्ध मानते हुए उनकी जांच के लिए अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में समिति गठित करने के निर्देश दिए गए। वहीं तीन मामलों में पुलिस रिपोर्ट लंबित होने के कारण निर्णय नहीं लिया जा सका। शेष आवेदन निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने पर खारिज कर दिए गए। उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि कुछ आवेदनों में एक जैसे फोटो अपलोड किए गए थे।

■ 24 आवेदनों की समीक्षा, गड़बड़ी मिलने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

डीसीपी ट्रैफिक की एनएचएआई अधिकारियों के साथ बैठक

राष्ट्रीय राजमार्गों पर अवैध कट बंद होंगे दोबारा खोलने पर होगी एफआईआर

■ कुंडली से हल्दाना बॉर्डर तक ग्रिल की ऊंचाई बढ़ाने और अतिक्रमण हटाने पर जोर

टोल प्लाजा पर 24 घंटे एम्बुलेंस, क्रेन और रूट पेट्रोलिंग वाहन रखने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत। सड़क सुरक्षा को लेकर बैठक करते अधिकारी।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात सुरक्षा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से सोमवार को मिनी सचिवालय में पुलिस विभाग और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डीसीपी ट्रैफिक नरेंद्र कादयान ने की। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों पर बने अवैध कट, ब्लैक स्पॉट, पैदल यात्रियों की सुरक्षा, सड़क सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता और दुर्घटना की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई। डीसीपी ट्रैफिक ने निर्देश दिए कि ढाबों, दुकानों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के सामने बनाए गए सभी अवैध कटों को स्थायी रूप से बंद कराया जाए। यदि बंद किए गए कटों को दोबारा खोला जाता है तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए।उन्होंने एनएच-44 पर कुंडली बॉर्डर से हल्दाना बॉर्डर तक लोहे की ग्रिल की ऊंचाई बढ़ाने, क्षतिग्रस्त ग्रिल की मरम्मत कराने और संवेदनशील स्थानों पर फुट ओवरब्रिज की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए।

फ्लाईओवर के नीचे से अवैध पार्किंग हटाने पर मंथन

बैठक में इसके साथ ही बहालगढ़, मुरथल और गन्नौर फ्लाईओवर के नीचे से अवैध पार्किंग हटाने तथा सर्विस रोड को अतिक्रमण मुक्त कराने पर भी जोर दिया गया। बैठक में प्रत्येक टोल प्लाजा पर 24 घंटे एम्बुलेंस, क्रेन और रूट पेट्रोलिंग वाहन उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए, ताकि सड़क दुर्घटना की स्थिति में घायलों को गोल्डन आवर के भीतर उपचार मिल सके। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्गों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, रोड मार्किंग, साइन बोर्ड और अन्य सुरक्षा उपकरणों को सुदृढ़ करने के निर्देश भी जारी किए गए। बैठक में एसीपी ट्रैफिक जसपाल सिंह व अन्य मौजूद रहे।

नागरिक अस्पताल के कमरा नंबर-60 में सुविधा शुरू

पांच माह बाद शुरू हुई नई डिजिटल एक्स-रे मशीन, मरीजों को मिलेगी राहत

■ रोजाना करीब 200 मरीजों को पड़ती है एक्स-रे की जरूरत, अब जांच होगी तेज

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

जिला नागरिक अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सोमवार को नई डिजिटल एक्स-रे मशीन का संचालन शुरू कर दिया गया।

करीब पांच माह पहले अस्पताल को उपलब्ध करवाई गई इस मशीन के शुरू होने से अब मरीजों को एक्स-रे जांच के लिए लंबे इंतजार का सामना नहीं करना पड़ेगा। अस्पताल के कक्ष नंबर-60 में स्थापित डिजिटल एक्स-रे मशीन तकनीकी प्रक्रियाएं पूरी नहीं होने के कारण अब तक शुरू नहीं हो सकी थी। वायरिंग और अन्य आवश्यक कार्य पूरे होने के बाद इसे आमजन के लिए समर्पित कर दिया गया है। नागरिक अस्पताल में प्रतिदिन करीब दो हजार मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं।

इनमें लगभग 200 मरीजों को चिकित्सकों द्वारा एक्स-रे जांच की सलाह दी जाती है। अब तक केवल एक मशीन उपलब्ध होने के कारण मरीजों को अपनी बारी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता था। एक्स-रे कक्ष के बाहर लंबी कतारें लगना आम बात थी।

सोनीपत नागरिक अस्पताल में नई डिजिटल एक्स-रे मशीन का संचालन शुरू होने पर खोला गया 60 नंबर कक्ष।

मशीन 50 से अधिक अतिरिक्त मरीजों की जांच करने में सक्षम

नई मशीन शुरू होने से अस्पताल की जांच क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। सूत्रों के अनुसार यह मशीन प्रतिदिन 50 से अधिक अतिरिक्त मरीजों की जांच करने में सक्षम है। इससे पुरानी मशीन पर पड़ने वाला दबाव भी कम होगा और मरीजों को समय पर रिपोर्ट मिल सकेगी। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि दो डिजिटल एक्स-रे मशीनों के संचालन से न केवल जांच प्रक्रिया तेज होगी, बल्कि चिकित्सकों को भी समय पर रिपोर्ट मिलने से उपचार शुरू करने में आसानी होगी। बढ़ती मरीज संख्या के बीच यह सुविधा स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
23 जून 2026

सहेली

प्रेम को कभी परिभाषित नहीं किया जा सकता। प्रेम का तो बस अहसास किया जा सकता है। पति-पत्नी के लिए प्रेम के बहुत अलग और गहरे मायने होते हैं, सिर्फ अपने साथी के लिए जीना, जिम्मेदारियां बांटना, एक-दूसरे का सहारा बनना। पति-पत्नी का प्रेम कभी एकतरफा बोझ नहीं डालता है। प्रेम में 'मैं' नहीं केवल 'हम' होता है। इस तरह के प्रेम में दंपती एकसार होकर अपना जीवन मधुरता और खुशियों से भर लेते हैं।

कवर स्टोरी

डॉ. ऋतु सारस्वत, समाजशास्त्री

प्रेम न बाड़ी उपजै प्रेम न हाट बिकाय

अगर आपसे यह प्रश्न पूछा जाए कि इस दुनिया की सबसे कठिन पहेली क्या है, तो यह प्रश्न शायद आपको थोड़ा उलझा दे! लेकिन देखा जाए तो इस दुनिया की सबसे कठिन पहेली है- प्रेम। आप सोच सकते हैं- प्रेम, जो केवल ढाई अक्षर का है, वह भला कैसे उलझा सकता है? जरा एक पल को रुकिए और सोचिए क्या वाकई प्रेम को समझना इतना आसान है? अगर इस पहेली को सुलझाना इतना सहज-सरल होता, तो निश्चित ही हर प्रेम विवाह सफल होता। अपने आस-पास ही देख लीजिए, हजारों युवा बड़े-बड़े वादों के साथ, कभी माता-पिता की सहमति से तो कभी उनके विरुद्ध जाकर विवाह करते हैं, पर फिर वही प्रेम धीरे-धीरे बिखरने लगता है, और इसके साथ ही बिखरने लगते हैं वादे-कसमें। आखिर प्रेम क्यों बिखरने लगता है? यह प्रश्न हमें उसी पहेली तक वापस ले जाता है, जिसकी बात हमने शुरुआत में की थी।

प्रेम क्या है

सवाल यह है, जिसे हम प्रेम समझते हैं, क्या वह सच में प्रेम है? कई बार वह केवल आकर्षण होता है, जिसे हम प्रेम का नाम दे देते हैं। यहीं से उलझन शुरू होती है। किसी भी रिश्ते में बंधना जितना सहज है, उतना ही मुश्किल है उसे निभाना, विशेषकर जब रिश्ता पति और पत्नी का हो। यह रिश्ता दुनिया में सबसे अलग और सबसे अनूठा होता है, क्योंकि इसे आपने स्वयं चुना होता है। अगर आपका जीवन साथी आपके माता-पिता का चुनाव भी हो तो भी पति-पत्नी के संबंध का सर्वोच्च आधार सिर्फ और सिर्फ प्रेम होता है। वह 'प्रेम' जो ना तो शर्तों पर टिका होता है और ना ही अपेक्षाओं का एकतरफा बोझ डालता है। वह तो निरंतर निर्झर बहने वाली नदी के समान है, जो कभी थमती नहीं। प्रेम देह से ऊपर है, बुद्धि से ऊपर है, दिखावे और प्रसिद्धि से भी बहुत ऊपर है। उसका संबंध केवल हृदय से होता है। हमारे उस छोटे से दिल में, जो भले ही मुट्ठी भर का है, पर अपने भीतर पूरी दुनिया को समेट लेने की क्षमता रखता है। विश्वास कीजिए, प्रेम को किसी परिभाषा में बांधा नहीं जा सकता, इसका कोई तय नियम नहीं होता। प्रेम समर्पण है, अपनापन है और सबसे बढ़कर प्रेम 'मैं' नहीं, 'हम' होता है।

समझिए प्रेम के सही मायने

आप क्या वाकई जानना चाहती हैं कि 'प्रेम' क्या है? तो एक छोटी-सी घटना सुनिए। कुछ दिन पहले अभिनेत्री जाह्नवी कपूर का एक साक्षात्कार देखा, जिसमें वह अपने पिता बोनी कपूर के साथ बैठी थीं। बोनी ने जाह्नवी को बताया कि उनकी मां (अभिनेत्री श्रीदेवी) चाहती थीं कि वह अपना वजन कम करें, इसलिए वह उन्हें टहलने के लिए प्रेरित करती थीं। श्रीदेवी की जिद पर एक दिन वह उनके साथ टहलने जाने के लिए तैयार हो गए। उन्होंने जूते तो पहन लिए, पर झुककर फीते बांधना उनके लिए सहज नहीं था। बिना कुछ कहे ही श्रीदेवी ने उनकी इस परेशानी को समझ लिया और उनके जूतों के फीते बांध दिए। बोनी ने मुस्कुराते हुए कहा, 'अरे, यह तो ढीला है।' जब श्रीदेवी ने दोबारा बांधा, तो उन्होंने फिर कहा, 'यह तो बहुत टाइट हो गया।' यह सिलसिला यूं ही कुछ देर चलता रहा, लेकिन इस पूरे समय श्रीदेवी बिना किसी अधीरता के, मुस्कुराते हुए, हर बार उनके जूतों के फीते ठीक करती रहीं।

इस घटना को पढ़कर आप चौंक गए न! स्वाभाविक भी है, क्योंकि आज की युवा पीढ़ी के लिए, विशेष कर लड़कियों के लिए तो ऐसा कुछ करना उनके आत्मसम्मान के खिलाफ होगा या इससे भी बढ़कर वह इसे पति की गुलामी का नाम देंगी। एक उदाहरण और, बैंकिंग सेक्टर में काम करने वाली अनुराधा को एक दिन किसी कारणवश बैंक जाने में देरी हो रही थी, वह हड़बड़ा गई। तभी उसे यह भी ध्यान आया कि उसके कपड़े प्रेस नहीं हैं। अनुराधा की यह परेशानी उसके चेहरे पर aझलकने लगी। उसके पति, जो एक बड़े सरकारी अधिकारी हैं, बिना उसके कुछ कहे ही उसकी हड़बड़ाहट देखकर सब समझ गए और उसके कपड़ों पर प्रेस कर दिए, बिना कुछ कहे-सुने। अपने साथी की उलझन को समझना और उसे मुस्कुराते हुए सुलझा देना ही प्रेम है। अनुराधा को याद नहीं कि कितनी बार जल्दी में वह खाना छोड़कर निकलना चाहती है, तो पति स्वयं तैयार होते-होते भी उसके मुंह में रोटी का कौर रख देते हैं और कहते हैं, 'घर से भूखे नहीं निकलना चाहिए।' यकीनन बहुत सारे लोगों के लिए यह दृश्य बिल्कुल भी सहज नहीं है, क्योंकि आदमी की जो छवि समाज ने गढ़ी है, यह उसके बिल्कुल विपरीत है। पर सच्चा प्रेम यही तो है, बिना किसी की परवाह किए सिर्फ अपने साथी के लिए जीना। जिम्मेदारियां बांटना, एक-दूसरे को सहारा देना और बिना कुछ कहे एक-दूसरे की पीड़ा को समझना।

प्रेम कब तोड़ता है दम

प्रेम तब दम तोड़ने लगता है, जब हम एक-दूसरे के साथ मुस्कुराना छोड़ देते हैं, एक-दूसरे की परवाह करना छोड़ देते हैं और एक-दूसरे के दर्द को समझने की कोशिश नहीं करते। इसी के साथ जब हमारे भीतर सिर्फ 'मैं' ही प्रमुख हो जाता है, तब रिश्ते के जीवित रहने की संभावना लगभग समाप्त हो जाती है। हमें यह समझना होगा कि किताबों में लिखी हुई 'नारी स्वतंत्रता', 'नारी मुक्ति' की परिभाषाएं और समाज द्वारा सिखाई गई 'मर्दानगी' की कहानियां प्रेम की गहराई के सामने टिक नहीं पातीं, क्योंकि प्रेम इन सब से बहुत ऊपर होता है।

प्रेम में 'मैं' नहीं 'हम'

'प्रेम' जीवन है, इसे किसी भी वस्तु से खरीदा नहीं जा सकता, ना ही इसे विवश करके पाया जा सकता है। इसे पाने का केवल एक ही रास्ता है, और वह है 'मैं' का त्याग। तो चलिए प्रेम को जीते हैं और 'मैं' को किसी ऐसी गली छोड़ आते हैं, जो कभी 'हम' तक वापस ना आ सके।

क्या आप भी अपने बच्चे का हद से ज्यादा ख्याल रखते हैं

कुछ पैरेंट्स अपने बच्चों को बहुत ज्यादा प्रोटेक्ट करते हैं, इस तरह ओवरप्रोटेक्शन से बच्चों का कॉन्फिडेंस कमजोर होता है। वे अपनी छोटी से छोटी प्रॉब्लम से भी घबरा जाते हैं। आपके बच्चे स्ट्रॉन्ग बनकर जीवन में सफल रहें, इसके लिए जरूरी है उन्हें बहुत ज्यादा लाड़-प्यार ना दें, उन्हें सेल्फ डिपेंड बनाएं। यह उनके व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत जरूरी है।

परवरिश

ललिता गोयल

सभी पैरेंट्स यही चाहते हैं कि उनके बच्चे को कभी भी किसी मुश्किल का सामना नहीं करना पड़े। इस चाहत में कुछ पैरेंट्स अपने बच्चों को हद से ज्यादा लाड़-प्यार या ओवरप्रोटेक्ट करते हैं। लेकिन इस तरह ओवरप्रोटेक्शन यानी ओवर पैंपरिंग बच्चों को इंडिपेंडेंट बनने से रोक सकती है। आगे चलकर बच्चे जीवन की चुनौतियों का सामना करने में असमर्थ हो जाते हैं।

संतुलित रखें अपना लाड़-प्यार: बचपन सिर्फ बच्चों के खेलने, आराम करने और पैरेंट्स की छत्रछाया में सुरक्षित रहने का समय नहीं होता है। यह वह समय भी होता है, जब वे सीखने और मजबूत बनने के प्रोसेस में होते हैं। इस प्रोसेस में अगर हर बार पैरेंट्स बच्चे के लिए सब कुछ कर देंगे, तो बच्चा जीवन के उतार-चढ़ाव को संभालने की क्षमता विकसित नहीं कर पाएगा। बड़ा होकर वह छोटे-छोटे फेलियर से डरने लगेगा या बहुत जल्दी हार मान लेगा, क्योंकि उसने कभी निराशा, इंतजार या संघर्ष को अनुभव ही नहीं किया होता है। कोई भी चीज हद से ज्यादा हो तो फायदे की जगह नुकसान ही पहुंचाती है। इसलिए बच्चों का लाड़-प्यार भी हमेशा संतुलन में होना चाहिए।

बच्चों का विकास रुकता है: बच्चे का ज्यादा ख्याल रखना या ओवर-प्रोटेक्शन, बच्चों के विकास को रोक सकता है। ऐसे बच्चे आत्मनिर्भर नहीं बन पाते, समस्याओं का सामना करने से डरते हैं, चुनौतियों का सामना करने में खुद को असमर्थ महसूस करते हैं। हर छोटी-बड़ी समस्या का समाधान माता-पिता द्वारा किए जाने पर बच्चों को अपनी क्षमता पर संदेह होने लगता है। वे भविष्य में मुश्किल परिस्थितियों में घबरा जाते हैं। ऐसे बच्चे हर काम के लिए दूसरों पर निर्भर रहने लगते हैं और अपनी उम्र के अनुसार जिम्मेदारियां नहीं सीख पाते।

प्यार जताएं-बिगाड़ें नहीं: बच्चे को आरामदायक माहौल दें लेकिन उनकी हरेक डिमांड पूरी न करें। उसे 'ना' सुनना भी सिखाएं, क्योंकि हर मांग पूरी करने से बच्चे जिद्दी हो सकते हैं। अपनी मांग पूरी करवाने के लिए वे कोई गलत कदम भी उठा सकते हैं।

जिम्मेदारियां सौंपें-आत्मनिर्भर बनाएं: बचपन से बच्चे को आत्मनिर्भर बनाएं। जब बच्चा खेलने के बाद अपने खिलौने समेटने की कोशिश करे, तो उसे समेटने दें। खुद न समेटें, जब पैरेंट्स बच्चे के सारे काम खुद करते हैं या उसे हर परेशानी से बचाते हैं, तो वह कभी-भी अपनी समस्याएं खुद सुलझाना नहीं सीख पाता। जो बच्चे हमेशा सुरक्षित माहौल में रहते हैं, वे जीवन में छोटी-मोटी हार या असफलता का सामना नहीं कर पाते। इसलिए उनकी उम्र के अनुसार उन्हें घर के छोटे-छोटे काम जैसे पौधों में पानी डालना, फ्रिज में पानी की बोतल भर का रखना खुद करने दें। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगे।

गलतियों से सीखने दें: बच्चों से कोई गलती होने पर उसे बचाने के बजाय उन्हें अपनी बात रखने दें, अपनी गलतियों के लिए जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करें। बच्चों को सही गाइडेंस, इमोशनल सपोर्ट और सीमित आजादी के साथ अपने अनुभवों से सीखने का मौका दें। बच्चों को गलतियां करने दें और उनसे सीखने का मौका दें। प्यार का मतलब केवल सुरक्षा देना नहीं, बल्कि बच्चों को उनके आने वाले जीवन के लिए तैयार करना भी होता है।

बच्चों को इमोशनली मजबूत बनाएं: बच्चों को इमोशनली मजबूत बनाना भी उतना ही जरूरी है, जितना उन्हें प्यार और सुरक्षा देना, इसलिए पैरेंट्स को बच्चों को यह सिखाना चाहिए कि असफलता भी जीवन का हिस्सा है। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है।

(साइकोलॉजिस्ट डॉ. श्रुति शर्मा से बातचीत पर आधारित)

गार्डनिंग

अनु आर.

अगर आपके पास गार्डेनिंग के लिए ज्यादा स्पेस नहीं है तो भी अपनी बालकनी में आप मिनी बालकनी गार्डेन बना सकती हैं। इसके लिए क्या करना होगा, जानिए।

हरियाली से भर उठेगा आपका मिनी बालकनी गार्डेन

हालांकि अभी उत्तर और मध्य भारत के राज्यों में मानसून की बारिश शुरू नहीं हुई है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही बारिश शुरू हो जाएगी। पहली बारिश की बूंदें केवल धरती को ही नहीं मन को भी तरोताजा कर देती हैं। यही वह समय होता है, जब पौधे तेजी से बढ़ते हैं। इसीलिए बागवानी का शौक रखने वालों को यह मौसम सबसे अच्छा लगता है। लेकिन शहरों में फ्लैट्स या छोटे मकानों में रहने वाले लोगों के सामने सबसे बड़ी समस्या होती है, किचेन गार्डेन के लिए पर्याप्त जगह का न होना। सवाल है, क्या फिर जिनके पास अपने आंगन में या घर के बाहर किचेन गार्डेन की जगह नहीं है, वे गार्डेनिंग के अपने शौक को मन में ही दबाकर रखें? ऐसा नहीं है। लगभग सभी फ्लैट्स में बालकनी तो होती ही है। आने वाले बारिश के दिनों में यही बालकनी, प्रकृति से जुड़ने का एक आसान जरिया बन सकती है।

मिनी बालकनी गार्डन का ट्रेंड: इन दिनों बड़े शहरों में, खासतौर पर मल्टीस्टोरे अपार्टमेंट्स में मिनी बालकनी मानसून गार्डन का नया चलन तेजी से शुरू हुआ है। इसमें छोटी-सी बालकनी को भी कुछ गमलों, लटकने वाले पौधों और मौसमी सब्जियों के पौधों के जरिए एक प्यारी-सी हरी-भरी दुनिया में तब्दील किया जा सकता है। यह केवल घर की सुंदरता को नहीं बढ़ाता बल्कि आपकी मानसिक शांति, ताजी हवा और ताजा भोजन का स्रोत भी बनता है। आने वाले बारिश के दिन आपके मिनी बालकनी गार्डन को तैयार करने में बहुत सहायक हो सकते हैं।

लगाएं ये पौधे: अगर आप पहली बार अपनी छोटी-सी बालकनी को मानसून गार्डेन में तब्दील कर रही हैं, तो ऐसे पौधों को चुनें, जिनकी देखभाल करनी बहुत आसान है। मसलन तुलसी, पुदीना, हरी धनिया, हरी मिर्च, करीपत्ता। ये पौधे सिर्फ बालकनी की हरियाली में इजाफा नहीं करते बल्कि ये आपकी रसोई में नए-नए स्वादों का इजाफा भी करते हैं। जहां तक फूलों की बात है तो इस मौसम में गेंदा, जिनिया, बालसम और सदाबहार के पौधे अच्छी वृद्धि करते हैं। इनके रंग-बिरंगे फूल बालकनी को हरियाली के साथ रंगीन भी बना देते हैं।

वर्टिकल गार्डेनिंग है ऑप्शन: छोटी बालकनियों में ज्यादा पौधे लगाने के लिए वर्टिकल गार्डेन एक बेहतरीन विकल्प है। इसमें पौधों को दीवारों, स्टैंड या लटकते गमलों में लगाया जाता है। इस तकनीक में पौधे जगह बहुत कम घेरते हैं। पुराने प्लास्टिक कंटेनर, बोतलें और लकड़ी के बक्सों का रचनात्मक प्रयोग भी वर्टिकल गार्डेन स्टैंड के रूप में किया जा सकता है।

इस बात का रखें विशेष ध्यान: बारिश के पानी में प्राकृतिक उर्वरता होती है। इसलिए इसमें पौधे न सिर्फ खूब हरे भरे रहते हैं बल्कि तेजी से बढ़ते भी हैं। हालांकि लगातार बारिश होने पर पौधों के गमलों में अगर ज्यादा पानी इकट्ठा हो जाए तो उसे तुरंत निकाल देना चाहिए, नहीं तो पौधों को नुकसान होता है।

मिलते हैं ये फायदे: यह छोटा-सा गार्डन हमारे मन को प्रसन्न रखता है, हमारी सोच को सकारात्मक बनाता है और हमें तरोताजगी से भरता है, जिसमें हम थकते नहीं बल्कि उत्साह से भरे रहते हैं। इसकी वजह से घर और भी खूबसूरत दिखता है।

मेकअप

नीलोफर

तेजी से हो रहा पॉपुलर नो-मेकअप लुक

उमस भरी गर्मी का यह मौसम स्किन पर भी प्रभाव डालता है। बार-बार होने वाला पसीना और वातावरण में बढ़ी नमी के कारण चेहरे पर मेकअप टिक नहीं पाता है। इसीलिए इस सीजन के लिए नो-मेकअप लुक का ट्रेंड पॉपुलर हो रहा है।

क्या है नो-मेकअप लुक: नो-मेकअप लुक का मतलब मेकअप बिल्कुल न करना नहीं होता है। इसका मतलब है, त्वचा को इतना स्वस्थ और स्वाभाविक रूप से चमकदार बनाना कि बिना हैवी मेकअप के भी वह आकर्षक दिखाई दे। यह लुक वास्तव में चेहरे की नेचुरल ब्यूटी को उभारता है और त्वचा को सांस लेने का मौका देता है। इसलिए उमस भरी गर्मी और बारिश के दिनों में सुंदर दिखने का सबसे सरल तरीका है, त्वचा की बुनियादी देखभाल पर ध्यान देना।

त्वचा साफ, हाइड्रेटेड हो और स्वस्थ हो तो उसे छुपाने के लिए अधिक मेकअप करने की जरूरत नहीं पड़ती है।

इसलिए हो रहा पॉपुलर: नो-मेकअप लुक इसलिए भी पॉपुलर हो रहा है क्योंकि आज बहुत सारी महिलाएं केवल कॉस्मेटिक्स पर निर्भर रहने की बजाय अपने नेचुरल लुक को स्वीकार करने लगी हैं। जब किसी विशेष अवसर पर थोड़ा मेकअप करना भी हो तो केवल टिंटेड मॉयश्चराइजर, हल्का कॉम्पैक्ट पावडर, मस्कारा और लिप बाम लगाना ही पर्याप्त होता है।

करें प्रॉपर क्लीनिंग: नो-मेकअप लुक के लिए, मेकअप की शुरुआत से पहले चेहरे की सफाई करें। इन दिनों की उमस और आने वाले बारिश के मौसम में भी धूल के साथ नमी, त्वचा के रोमछिद्रों में जमा हो जाती है। इसे हटाने के लिए ऐसा फेशवॉश चुनें, जो त्वचा को साफ करे, लेकिन उसका नेचुरल मॉयश्चर न हटाए। इसके बाद हल्का मॉयश्चराइजर लगाएं। उमस में नमी की कमी होने पर त्वचा और अधिक तेल बनाने लगती है, इसलिए ऑयल फ्री मॉयश्चराइजर बेहतर विकल्प है।

सनस्क्रीन जरूर लगाएं: अभी तो तेज धूप हो ही रही है, बारिश के मौसम में भी बादलों के पीछे छिपा सूरज त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए घर से बाहर निकलते समय सनस्क्रीन का नियमित उपयोग करना चाहिए। यह त्वचा को टैनिंग, पिग्मेंटेशन और समय से पहले बूढ़ा दिखने से बचाती है। सनस्क्रीन नो मेक-अप ग्लो को बरकरार रखने में मददगार होती है।

ये उपाय भी हैं कारगर: इस उमस भरे मौसम में कुछ सरल उपाय से आपको नो-मेकअप लुक कैरी करने में मदद मिलती है। जैसे दही और बेसन का फेस पैक त्वचा की सफाई करता है। शहद त्वचा को नमी प्रदान करता है, जबकि गुलाब जल ताजगी का एहसास देता है। हालांकि किसी भी घरेलू उपाय का उपयोग करने से पहले त्वचा की संवेदनशीलता का ध्यान रखना चाहिए। जो उपाय किसी पर अच्छा असर देता है, जरूरी नहीं कि दूसरे पर भी वही परिणाम दे।

मेडिकल एडवाइस

डॉ. रेनू अग्रवाल

गायनेकोलॉजिस्ट

बढ़ती उम्र में सभी महिलाओं, खासतौर पर सिंगल वूमेन को अपनी हेल्थ को लेकर कॉन्शस रहना चाहिए। आपके भीतर पनप रही किसी बीमारी का शुरुआती स्टेज में ही पता चल जाए, इसके लिए रेग्युलर कुछ चेकअप और टेस्ट कराना जरूरी है। कौन से हैं ये टेस्ट, आपको जरूर जानना चाहिए।

सिंगल वुमेन न बरतें लापरवाही जरूर करवाएं ये मेडिकल टेस्ट

अधिकांश महिलाएं पूरे घर के लोगों की सेहत का ध्यान रखती हैं लेकिन जब अपनी सेहत की देखभाल की बारी आती है तो वे खुद को अकसर इग्नोर करती हैं। फैमिली के साथ रहने वाली महिलाओं का ध्यान रखने के लिए तो फिर भी अन्य सदस्य होते हैं लेकिन सिंगल वुमेन (जो शादी नहीं करतीं या तलाक ले चुकी हैं या विडो हैं) में उम्र बढ़ने पर अकेलेपन के कारण तनाव का स्तर बढ़ने लगता है, जिससे उनमें कई हेल्थ इश्यूज होने की आशंका तक बढ़ जाती है। इसलिए सिंगल वुमेन को समय-समय पर जरूरी मेडिकल टेस्ट अवश्य करवाते रहना चाहिए ताकि बीमारी का पता चलने पर उसका समय रहते उपचार कराया जा सके।

पैप स्मीयर टेस्ट: यह टेस्ट सर्वाइकल कैंसर यानी गर्भाशय के कैंसर का पता लगाने के लिए सबसे प्राथमिक और प्रभावी तरीका होता है। इस टेस्ट को 21 वर्ष की आयु के बाद हर 3 साल में जरूर करवाना चाहिए।

बोन डेंसिटी टेस्ट: बोन डेंसिटी टेस्ट में एक विशेष प्रकार के एक्स-रे के द्वारा स्पाइन, कलाइयों, कूल्हों की हड्डियों की डेंसिटी मापकर इनकी शक्ति का पता लगाया जाता है ताकि हड्डियों के कमजोर होने या टूटने से पहले ही उनका उपचार किया जा सके।

ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग-मैमोग्राम : इस टेस्ट से ब्रेस्ट कैंसर होने का पता लगाया जाता है। इस टेस्ट को 40 वर्ष की आयु से हर 1 या 2 साल में डॉक्टर की सलाह पर करवाना चाहिए। इस टेस्ट में क्लीनिकल ब्रेस्ट एग्जामिनेशन (सीबीई) में स्तन कैंसर की जांच की जाती है।

ब्लड प्रेशर टेस्ट: हार्ट को हेल्दी रखने के लिए नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की जांच बहुत जरूरी होती है। अगर ब्लड प्रेशर 140/90 से अधिक है तो दिल पर दबाव पड़ता है, जिससे ब्रेन स्ट्रोक, हार्ट अटैक और किडनी फेल होने की आशंका बढ़ जाती है। यह टेस्ट साल में 1 बार जरूर कराएं।

थायरॉइड फंक्शन टेस्ट: महिलाओं में थायरॉइड असंतुलन की समस्या बहुत आम है, जिससे उनका वजन, मूड और पीरियड्स प्रभावित होते हैं। यह टेस्ट साल में एक बार करवाना चहिए।

ब्लड शुगर टेस्ट: 35 वर्ष की उम्र के बाद हर 3 साल में सिंगल वुमेन को फास्टिंग ब्लड शुगर और एचबीए1सी टेस्ट जरूर करवाना चाहिए। इस टेस्ट से रक्त में शुगर के स्तर का पता लगाया जाता है।

ओवेरियन सिस्ट टेस्ट: पेट के निचले हिस्से में दर्द, अनियमित मासिक धर्म, पीरियड्स के दौरान अत्यधिक ब्लीडिंग हो तो ओवेरियन सिस्ट का टेस्ट कराना चाहिए। छोटे आकार के सिस्ट अपने आप ठीक हो जाते हैं। सिस्ट 1 इंच से बड़ा हो तो ओवेरियन कैंसर होने की आशंका होती है।

कोलेस्ट्रॉल स्क्रीनिंग टेस्ट: इस टेस्ट से दिल की बीमारियों की चपेट में आने की संभावना का पता चलता है। यह टेस्ट 3 वर्ष में 1 बार करा लेना चाहिए। रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर सामान्य से अधिक आता है, तो हर 6 से 12 महीने में यह टेस्ट कराना चाहिए।

प्रस्तुति: ललिता गोयल

खबर संक्षेप

रेस्टोरेंट की आग ने खाक कर दिया जिम

रोहतक। सेक्टर-3 मार्केट स्थित एक्सिस बैंक भवन में रविवार सुबह लगी भीषण आग ने एक जिम संचालिका की वर्षों की मेहनत को कुछ ही घंटों में राख में बदल दिया। तीसरी मंजिल पर संचालित रेस्टोरेंट में लगी आग तेजी से फैलते हुए दूसरी मंजिल पर स्थित जिम और साथ लगती लाइब्रेरी तक पहुंच गई। हादसे में जिम की महंगी मशीनें, उपकरण और अन्य सामान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। जिम संचालिका रेणुका ने आरोप लगाया कि रेस्टोरेंट संचालक और भवन मालिक की लापरवाही से करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ा है। सुबह ही रेस्टोरेंट भवन मालिक को बता दिया था कि रेस्टोरेंट से धुआं निकल रहा है। उसे हल्के में लिया और बोले की आग तो लगती रहती है। अगर समय रहते कार्रवाई की जाती तो आग पर शुरुआती स्तर पर ही काबू पाया जा सकता था।

दमकल कर्मियों ने सरकार पर वादाखिलाफी का लगाया आरोप

यूनियन के आह्वान पर जुलाई में रैली और प्रदर्शन 6 से 8 अगस्त तक काम बंद कर हड़ताल का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन की राज्य कमेटी के आह्वान पर सभी जिलों मुख्य दमकल केंद्रों पर सोमवार को गेट मीटिंग कर दमकल केंद्र अधिकारियों व सोनीपत पुलिस आयुक्त को आगामी आंदोलन के लिए पत्र दिया गया। जिला प्रधान राजीव खत्री, वरिष्ठ उप प्रधान वीरेंद्र कुमार ने बताया कि कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर 8 अप्रैल से 14 मई तक 37 दिनों की हड़ताल की। इस दौरान अपनी मांगों को पूरा करवाने के लिए सरकार के साथ हुई बातचीत में सभी मांगों पर सहमति बनी थी। उन्हें 30 जून तक सभी मांगों का पत्र जारी करने का आश्वासन दिया गया था। कर्मचारियों का आरोप है कि सरकार ने वादाखिलाफी करते हुए अब तक मानी गई मांगों में से एक भी मांग का पत्र जारी नहीं किया हैं। इससे फायर कर्मचारियों में काफी रोष है। कर्मचारियों के रोष के चलते हुए राज्य कमेटी ने राज्य कार्यकारणी की मीटिंग बुलाकर आगामी आंदोलन का फैसला लिया है। गेट मीटिंग करके जिला दमकल केंद्र, सेक्टर 3 पर मुख्य अग्निशामक अमित कुमार व शमशेर दहिया को आंदोलन का पत्र सौंपा गया। अगर सरकार 30 जून तक सभी मांगों के पत्र जारी नहीं करती, तो सभी जिलों में जिलास्तर पर जुलाई माह में रैली प्रदर्शन किए जाएंगे। 6-7-8 अगस्त को पूर्ण रूप से काम बंद कर हड़ताल की जाएगी। जिसकी पूर्ण रूप से जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की होगी। इस दौरान विजय, उपप्रधान सुनील कुमार, प्रदीप मलिक, दीपक सैनी, संजय, मनोज कुमार मौजूद रहे।

सोनीपत। सेक्टर-3 स्थित जिला दमकल केंद्र में अधिकारियों को पत्र देते अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारी व सदस्य।

गोहाना। शिविर में रक्तदाताओं को आशीर्वाद देते अतिथि एवं आयोजक।

भागराम ट्रस्ट के शिविर में 36 नागरिकों ने किया रक्तदान

■ भाजपा खानपुर मंडल के अध्यक्ष रहे मुख्य अतिथि

गोहाना। शहर में सोनीपत-पानीपत मार्ग टी-प्वाइंट पर स्थित भगवान परशुराम चौक में सोमवार को भागराम ट्रस्ट के साप्ताहिक शिविर में 36 नागरिकों ने रक्तदान का पुण्य कमाया। शिविर में छह नागरिकों ने पहली बार रक्तदान का खाता खोला। रक्तदान शिविर के मुख्य अतिथि भाजपा खानपुर मंडल के अध्यक्ष जस्सी खुराना रहे। अध्यक्षता ट्रस्ट की अध्यक्ष उषा गगनेजा ने की और संयोजन प्रमुख रक्तदाता सुरेन्द्र विश्वास का रहा। शिविर में नियमित रक्तदाताओं में संदीप, सुनील, अंकित, हिमांशु, मनोज, जितेंद्र, साहिल, सुरेन्द्र, कप्तान, मंगल सेन और चरणजीत ने रक्तदान का पुण्य कमाया। मोहन, संजय, संदीप, अमित, माधव और सुनील ने पहली बार रक्तदान का खाता खोला।

उदेशीपुर गांव में योग साधकों ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

गन्नौर। आयुष विभाग सोनीपत और हरियाणा योग आयोग के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न योगशालाओं में योग दिवस प्रोटोकॉल कार्यक्रम आयोजित किए गए। योग साधकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योग अभ्यास किया। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. रामअवतार के निर्देशानुसार तथा डॉ. दिनेश दत्त के नेतृत्व में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 75 दिनों तक चलाए गए योग प्रोटोकॉल महाअभियान का समापन समापन हुआ। अभियान के तहत आयुष योग सहायक धीरज कुमार द्वारा गांव उद्देशीपुर की योगशाला में योग करवाया। योग कक्षाओं में गांव के बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग नियमित रूप से योग सीख रहे हैं और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। लोगों ने बताया कि करो योग, रहो निरोग के उद्देश्य के साथ चलाए जा रहे इस अभियान से गांव के अनेक लोगों को लाभ मिला है।

पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए कटिबद्ध रहने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

■ वन पृथ्वी का लगभग 80 प्रतिशत विविधता का घर

पानीपत मार्ग गोहाना स्थित राष्ट्रीय वैदिक परमार्थ ट्रस्ट द्वारा संचालित लावारिस पीड़ित गो माता गोशाला में सोमवार को आयोजित विश्व वर्षावन दिवस कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के लिए सदैव कटिबद्ध रहने का सामूहिक संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के लिए मार्गदर्शन ट्रस्ट के सदस्य आजाद सिंह दांगी का रहा। मुख्य वक्ता ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर दास सैनी ने कहा वन ही जीव जगत के अस्तित्व का आधार हैं। वन हमें न केवल शुद्ध हवा और पानी देते हैं बल्कि आने वाली पिढियो के लिए जीवन की सबसे बड़ी पूंजी भी हैं। वर्षावन हमारी धरती को जीवन दे रहे हैं। यह दुनिया की आधी जीव प्रजातियों का घर है। हमें मीठा पानी मुहैया कराते हैं और हमारी जलवायु को स्थिर रखने के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट के महासचिव ठेकेदार भूपेंद्र प्रजापति ने की। उन्होंने कहा प्रकृति ही जीवन का आधार है। वन पृथ्वी का लगभग 80 प्रतिशत विविधता का घर है। इन्हें पृथ्वी के फेफड़े भी कहा जाता है। अरबों लोग अपनी आजीविका दवाओ भोजन और आश्रय के लिए वनों पर निर्भर है। इस अवसर पर अशोक आर्य,डॉ मनोज, सत्यवान सांगवान, राजू ड्राइवर व दीपक शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे।

गोहाना। पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए कटिबद्ध रहने का संकल्प लेते हुए पर्यावरण प्रेमी।

नशा मुक्त भारत कार्यक्रम में युवाओं ने लिया नशे से दूर रहने का संकल्प

■ मोतीलाल नेहरू स्पोर्ट्स विवि में नशा मुक्त भारत कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। सोनीपत की मोतीलाल नेहरू स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्त भारत के निर्माण की शपथ लेते अतिथ व विद्यार्थी।

नशा मुक्त भारत कार्यक्रम के अंतर्गत ड्रग फ्री हरियाणा 15 दिवसीय जागरूकता अभियान किया गया। कार्यक्रम हरियाणा के डीजीपी के निर्देशों के तहत हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एचएसएनसीबी) की ओर से आयोजित किया गया। एचएसएनसीबी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक संजय कुमार आईपीएस के दिशा-निर्देश एवं पुलिस उप-महानिरीक्षक राजेंद्र कुमार मीणा आईपीएस के मार्गदर्शन में राई स्थित मोतीलाल नेहरू स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में नशा मुक्त भारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 11 जून से 26 जून तक चल रहे यह राज्यव्यापी अभियान में प्रदेश के विभिन्न जिलों से होते हुए इसका समापन जिला फरीदाबाद में किया जाएगा। सोनीपत में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नर ममता सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, शिक्षकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया।

नशे से दूर रहें: सिंह

पुलिस कमिश्नर ममता सिंह ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, समाज और भविष्य को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यो से होने वाले अवैध नशीले पदार्थों के प्रवेश को रोकना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसके लिए समाज के हर वर्ग के लोगों को आगे आना होगा। समापन पर सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्त भारत के निर्माण की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस विभाग के अधिकारी, शिक्षक, खिलाड़ी व काफी विद्यार्थी मौजूद रहे।

पर्यावरण को सुरक्षित रखने की शपथ दिलाई

शिक्षिका दर्शन कुमारी ने स्टाफ-छात्राओं के साथ पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

■ सात दिवसीय शिविर का किया शुभारंभ

सोनीपत। सोनीपत के पीएमश्री राजकीय कन्या विद्यालय में शिविर के शुभारंभ पर पौधरोपण करती शिक्षिकाएं व छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

मुरथल अड्डा स्थित पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को ग्रीन समर कैंप एक पेड़ मां के नाम 3.0 कैंपिंग इको क्लब के अंतर्गत सात दिवसीय शिविर की शुरुआत की गई। शिविर के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य दिनेश मलिक ने की। मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त मुख्य अध्यापक यज्ञदत्त ने शिरकत की। उन्होंने छात्राओं को स्वास्थ्य व जीवन कौशल के बारे में जागरूक किया। साथ ही छात्राओं को मौसम ऋतु के अनुसार भोजन ग्रहण करने का सुझाव दिया, ताकि तन को स्वस्थ, मन व विचारों को स्वच्छ रखा जा सके। कार्यक्रम में शिक्षिका दर्शन कुमारी ने अतिथि व छात्राओं के साथ एक पेड़ मां के नाम पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही पर्यावरण को सुरक्षित रखने की शपथ दिलाई। इस दौरान शिक्षिका ज्योति, वीना, रजनी, संगीता, राजेश, मुकेश मौजूद रही।

नगरपालिका खरीदेगी 49 हार्स पावर का ट्रैक्टर, 5 हजार लीटर क्षमता का पानी टैंक

नपा ने लगाया 15 लाख रुपये से खरीद का टेंडर, मिलेगी राहत

■ खरीद के बाद नपा को पानी से जुड़े कार्यों के लिए निजी साधनों पर नहीं रहना पड़ेगा निर्भर

गन्नौर। शहर के पार्कों, सड़कों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए नगरपालिका 49 हार्स पावर क्षमता का ट्रैक्टर और 5000 लीटर क्षमता वाला पानी का टैंक खरीदेगी। इसके लिए करीब 15 लाख रुपये का टेंडर जारी कर दिया गया है। ट्रैक्टर और टैंक की खरीद के बाद नगरपालिका को पानी से जुड़े कार्यों के लिए निजी साधनों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। नगरपालिका अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में सड़कों पर पानी का छिड़काव करने, पार्कों में सिंचाई करने तथा अन्य आवश्यक कार्यों के लिए ट्रैक्टर और पानी के टैंकर किराये पर लेने पड़ते हैं। इसके लिए समय के साथ-साथ अतिरिक्त खर्च भी वहन करना पड़ता है। कई बार जरूरत के समय वाहन उपलब्ध नहीं होने से कार्य प्रभावित होते हैं। ऐसे में स्वयं का ट्रैक्टर और पानी का टैंक होने से नगरपालिका की कार्यक्षमता में सुधार आएगा और विभिन्न कार्य समय पर पूरे किए जा सकेंगे। खरीदे जाने वाले टैंक में पानी भरने के लिए जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा स्थापित एचटीपी का उपयोग किया जाएगा। इससे नगरपालिका के खर्च में भी कमी आएगी।

खरीद के लिए टेंडर प्रक्रिया

नपा के एमई राहुल मोर ने बताया कि ट्रैक्टर और पानी के टैंक की खरीद के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द ही नगरपालिका को यह सुविधा मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि अब तक पानी संबंधी कार्यों के लिए कोटेशन के आधार पर वाहन हायर करने पड़ते थे, लेकिन अपना संसाधन होने से जरूरत पड़ते ही तत्काल कार्य कराया जा सकेगा।

एसआईआर फॉर्म तैयार रखने की अपील

मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने में करें सहयोग अधिकारी: एसडीएम

गोहाना। भारत निर्वाचन आयोग एवं निर्वाचन आयोग हरियाणा के निर्देशानुसार 33-बरोदा विधानसभा क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए एसडीएम एवं निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ)-33 बरोदा अंकित कुमार ने संबंधित अधिकारियों एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। एसडीएम ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची को अधिक शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत आवश्यक एसआईआर फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं। निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारी, बीएलओ तथा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि इन फॉर्मों को समय पर भरवाकर तैयार रखें, ताकि पुनरीक्षण कार्य निर्धारित समयावधि में सुचारू रूप से पूरा किया जा सके। कहा कि पात्र मतदाताओं का पंजीकरण, मतदाता सूची में आवश्यक संशोधन तथा दस्तावेजों का सत्यापन पूरी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ किया जाना चाहिए।

एसडीएम अंकित कुमार।

गोहाना में एसआईआर-2026 अभियान को मिली रफ्तार, 94 प्रतिशत प्रपत्र वितरित

■ एडीसी अजय चोपड़ा ने सुपरवाइजरों को समयबद्ध सत्यापन कार्य के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। अधिकारियों की बैठक लेते एडीसी। फोटो :हरिभूमि

गोहाना विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक पंजीयन अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त अजय चोपड़ा ने सोमवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान की प्रगति की समीक्षा के लिए सुपरवाइजरों की बैठक ली। बैठक में मतदाता सूची सत्यापन, घर-घर अभियान, गणना प्रपत्रों के वितरण और संग्रहण कार्य की समीक्षा की गई। अजय चोपड़ा ने बताया कि बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा अब तक लगभग 94 प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने शेष प्रपत्रों का वितरण और संग्रहण कार्य भी जल्द पूरा करने के निर्देश दिए ताकि अभियान निर्धारित समय सीमा में संपन्न हो सके। उन्होंने सुपरवाइजरों से कहा कि वे बीएलओ के कार्यों की नियमित निगरानी करें और सत्यापन अभियान में किसी प्रकार की लापरवाही न होने दें। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल करना और अपात्र प्रविष्टियों को हटाना प्राथमिकता है। अजय चोपड़ा ने नागरिकों से अपील की कि बीएलओ के घर पहुंचने पर आवश्यक दस्तावेज और दो नवीनतम रंगीन पासपोर्ट आकार के फोटो उपलब्ध कराकर अभियान में सहयोग करें।

समाधान शिविर में पंद्रह फरियादी पहुंचे

सोनीपत। अतिरिक्त उपायुक्त अजय चोपड़ा की अध्यक्षता में लघु सचिवालय परिसर में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। समाधान शिविर के दौरान कुल 15 शिकायतें प्राप्त हुईं। प्राप्त शिकायतों में गांव नाहरी निवासी ने गणेश गार्डन में अवैध रूप से संचालित स्विमिंग पूल एवं गंदे पानी को सड़क पर छोड़े जाने संबंधी शिकायत प्राप्त हुई। इसके अलावा गांव जागसी में बरसाती पानी की निकासी के लिए बनाए गए होद के सही स्थान पर स्थानांतरण अथवा उसकी मरम्मत करवाने की शिकायत प्राप्त हुई। इसी प्रकार गांव दुमेटा से रास्ते में लगे बिजली के ट्रांसफार्मर को दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करवाने की शिकायत प्राप्त हुई। अन्य शिकायतों में मयूर विहार, सोनीपत की गली नंबर-8 में पेयजल आपूर्ति बाधित होने, राशन कार्ड में आयु संशोधन करवाने, मकान की रजिस्ट्री का इंतकाल करवाने तथा प्रॉपर्टी आईडी से संबंधित शिकायतें शामिल रहे। अतिरिक्त उपायुक्त अजय चोपड़ा ने समाधान शिविर में प्राप्त सभी शिकायतों की सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान समाधान शिविर में एसीपी अमित, डीडीपीओ मनीष मलिक, तहसीलदार कीर्ति दहिया समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समाधान शिविर में अधिकारियों को दिए स्पष्ट निर्देश

प्रत्येक शिकायत की नियमित मॉनिटरिंग की जाए : अंकित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। शिविर में शिकायतें सुनते एसडीएम अंकित कुमार।

लघु सचिवालय में सोमवार को एसडीएम अंकित कुमार के नेतृत्व में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नागरिकों ने अपनी समस्याएं एवं सुझाव प्रशासन के समक्ष रखे। एसडीएम अंकित कुमार ने शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत की नियमित मॉनिटरिंग की जाए व निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जाए। शिविर में गांव शामड़ी बुरान में अवैध रूप से रैंप बनाकर सार्वजनिक भूमि पर कब्जा करने तथा सरपंच द्वारा कार्रवाई न करने, मोई हुड्डा माइनर की सफाई करवाने, परिवार पहचान पत्र ठीक करवाने, जमीन से अवैध कब्जे हटवाने व इंतकाल दर्ज करवाने सहित अन्य शिकायतें प्राप्त हुई। कई समस्याओं का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि जिन मामलों में विस्तृत जांच या विभागीय कार्रवाई की आवश्यकता थी, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित विभागों को भेजा गया। मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी ओमवीर वत्स, तहसीलदार शिखा, नायब तहसीलदार खानपुर अंजू, नगर परिषद सचिव सुंदर शर्मा, बिजली विभाग से एसडीओ कपिल यादव, जन स्वास्थ्य विभाग से एसडीओ नरेंद्र लाठर, पीडब्ल्यूडी विभाग से एसडीओ अशोक कुमार व एएफएसओ राजेश हुड्डा सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

एसडीएम की अध्यक्षता में आयोजित समाधान शिविर में 10 शिकायतें मिली

खरखौदा। आमजन की शिकायतों के शीघ्र एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से खरखौदा उपमंडल में एसडीएम अमित कुमार की अध्यक्षता में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 10 शिकायतें प्राप्त हुईं। समाधान शिविर में एक शिकायत बिजली बिल की गलत रीडिंग के कारण राशन कार्ड कटने से संबंधित प्राप्त हुई। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए शिकायत का समाधान करने के निर्देश दिए। इसके अलावा एक शिकायत प्लाट पर अवैध कब्जा करने के प्रयास से संबंधित प्राप्त हुई, जिसे आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित थाना प्रभारी को भेज दिया गया। वहीं ग्राम पंचायत क्षेत्र में गली निर्माण कार्य में नई व पुरानी ईंटों के उपयोग संबंधी शिकायत प्राप्त हुई, जिसे जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित बीडीपीओ को भेजा गया। एक अन्य शिकायत पंचायत क्षेत्र में अवैध रूप से मिट्टी उठाने के संबंध में प्राप्त हुई, जिस पर कार्रवाई के लिए संबंधित बीडीपीओ को निर्देशित किया गया। इसके साथ ही शादीशुदा लड़कियों के वोट कटवाने से संबंधित शिकायत प्राप्त हुई, जिसे आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित निर्वाचन अधिकारी को भेज दिया गया।

नई शर्तों पर टेंडर लेने के लिए राजी नहीं हुई थी एजेंसी

सरकार से पुरानी शर्तों पर सफाई का टेंडर लगाने की मिली अनुमति

घरों तक कूड़ा उठान बंद, बाजार और सड़कों पर लगे ढेर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शहरभर में विभिन्न जगह लगे कूड़े के ढेर, नियमित सफाई व कूड़ा उठान न होने के कारण स्वच्छता अभियान को ठेंगा दिखा रहे हैं। सफाई व्यवस्था को लेकर शहर के पॉश इलाके भी अब अछूते नहीं हैं। प्रमुख मार्गों के साथ बाजारों में कूड़े के ढेर लगे होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसका मुख्य कारण नगर निगम व सफाई एजेंसी के बीच 15 जून को समझौता खत्म होना और नई शर्तों पर टेंडर न होना माना जा रहा है। इस बीच सरकार ने नगर निगम की मांग पर पुरानी शर्तों पर शहर की सफाई का टेंडर लगाने की अनुमति दे दी है। निगम ने अब पुरानी शर्तों के आधार पर प्रक्रिया को शुरू कर दिया है, ताकि शहर को स्वच्छ बनाया जा सके। बता दें कि सफाई का टेंडर खत्म होने के बाद शहर की सफाई व्यवस्था चरमराने लगी है। एक ओर जहां अधिकतर जगह सड़कों से कूड़े का उठान नहीं हो पा रहा है, वहीं दूसरी ओर घरों तक कूड़ा उठाने वाली गाड़ियां नहीं पहुंच पा रही हैं। जगह-जगह कूड़े के ढेर लोगों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। शहर के बाजारों सहित वार्डों में सफाई के अभाव में अव्यवस्था का माहौल नजर आने लगा है। शहरवासी नरेश कुमार, संजय कुमार, प्रमोद, अखिल, नितिन का आरोप है कि नगर निगम कार्यालय में शिकायत करने के बावजूद शहरवासियों की सुनवाई नहीं हो रही है। अधिकारी केवल शिकायत लेकर आश्वासन देने तक सीमित रह गए हैं। अब घरों में से भी कई-कई दिन तक कूड़ा उठान नहीं हो रहा है। ऐसे में लोग घरों से बाहर चौक-चौराहे व गालियों में कूड़े फेंकने लगे हैं। शहरवासियों ने नगर निगम प्रबंधन के खिलाफ रोष बढ़ता जा रहा है। लोगों ने प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार लाने की मांग की है।

सोनीपत। कच्चे क्वार्टर मार्केट में दुकानों के आगे फैला कूड़ा।

सोनीपत। कच्चे क्वार्टर मार्केट में कूड़े से बचकर गुजरती महिलाएं।

खास बातें

- 15 जून को समाप्त हो गया था निगम व एजेंसी के बीच सफाई का समझौता
- फिलहाल शहर को स्वच्छ बनाने के लिए 6 से 8 माह के लिए री-टेंडर लगाने के शुरू किए प्रयास

5 साल के लिए एस्टीमेट बनाया जाएगा

शहर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि किसी एजेंसी ने सरकार की नई शर्तों पर टेंडर नहीं लिया है। ऐसे में सरकार के निर्देश पर पहले 6 से 8 माह के लिए री-टेंडर लगाने की योजना पर काम शुरू कर दिया गया है। शहर की सफाई व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए साथ में 5 साल के लिए सफाई टेंडर व एस्टीमेट बनाने पर काम किया जाएगा। इससे शहरवासियों के समक्ष परेशानी खड़ी नहीं होगी।

-राजीव जैन, मेयर, नगर निगम, सोनीपत

पहले री-टेंडर से चलाया जाएगा काम

बताया जा रहा है कि नगर निगम की ओर से सरकार की नई शर्तों पर शहर की सफाई टेंडर प्रक्रिया सिरे नहीं चढ़ पाई। ऐसे में जब सरकार के समक्ष आड़े आ रही उलझनों को रखा गया, तो सरकार ने नगर निगम को पुरानी शर्तों के आधार पर टेंडर लगाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही लोगों की समस्या को देखते हुए बीच का रास्ता भी निकाला है। नए सुझाव के तहत नगर निगम ने फिलहाल शहर को स्वच्छ बनाने के लिए 6 से 8 माह के लिए री-टेंडर लगाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं, ताकि शहर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखा जा सके। इसके साथ ही अधिकारियों को 5 साल के लिए सफाई टेंडर प्रक्रिया शुरू करने के साथ नया एस्टीमेट बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

जानें क्या बोले शहरवासी

शिकायत करने के बाद भी नहीं होती सुनवाई

सफाई की अव्यवस्था को लेकर नगर निगम की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शिकायत करने के बाद भी लोगों की सुनवाई नहीं होती है। नगर निगम प्रशासन को शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार लाने की जल्द प्रयास करने चाहिए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। *-सुरेंद्र कौशिक, शहरवासी*

जगह-जगह लगने लगे कूड़े के ढेर

शहर में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगने लगे हैं। शहर के पॉश इलाके भी सफाई व्यवस्था प्रभावित होने लगे हैं। नियमित रूप से सफाई व कूड़े का उठान नहीं किया जा रहा है। इससे शहर में सफाई व्यवस्था चरमराने लगी है। लोग घरों से बाहर चौक-चौराहे व गालियों में कूड़े फेंकने लगे हैं।

-सतीश अरोड़ा, शहरवासी

नपा की बैठक में उठे सफाई स्ट्रीट लाइट व विकास के मुद्दे

खरखौदा। शहर के विकास संबंधी चर्चा करते पार्षद।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

नगर पालिका खरखौदा की जनरल हाउस बैठक का आयोजन नगर पालिका कार्यालय में किया गया। जिसकी अध्यक्षता पालिका चेयरमैन हीरालाल इंदौरा ने की। बैठक में 16 में से 10 पार्षद उपस्थित रहे। साथ ही नगर पालिका के एमई, जेई तथा सचिव भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और जनहित के मुद्दों को सदन के समक्ष रखा। अधिकांश पार्षदों ने मुख्य गलियों और सड़कों की नालियों की सफाई के बाद निकाली जाने वाली गंदगी के समय पर उठान न होने की समस्या को प्रमुखता से उठाया। पार्षदों ने कहा कि गंदगी से नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

इन मांगों पर चर्चा

बैठक में शहर में लगाई गई फैंसी लाइटों की कार्यप्रणाली और रखरखाव में अनियमितताओं का मुद्दा भी उठाया गया। पार्षदों ने संबंधित व्यवस्था में सुधार करने की मांग की। पार्षद नवीन दहिया ने वार्ड से प्राप्त शिकायतों को डायरी किया जाना चाहिए, ताकि नपा सचिव के संज्ञान में शिकायतें आ सकें। शहर में जल भराव के चिन्हित स्थानों से पानी निकासी कराई जाए। गोपालपुर मार्ग पर बने मुख्य नाले की सफाई कराकर पानी निकासी की जाए। किसी भी गली या मार्ग पर निर्माण सामग्री डालकर अवरुद्ध कर दिया जाता है उनके चालान काटे जाएं। शहर में अन्य विभागों द्वारा उत्पन्न की गई समस्या से नगर पालिका पत्राचार माध्यम से अवगत कराकर समस्या का समाधान करने का काम करें।

संत कबीर साहेब की जयंती 29 को

सोनीपत। धानक कबीर समाज जागृति मंच की ओर से सोमवार को भीम नगर स्थित कार्यालय में बैठक की गई। इस दौरान प्रधान हसंराज इष्टकान ने मंच के सदस्यों के साथ संत शिरोमणी कबीर साहेब की जयंती पर चर्चा की। प्रधान हसंराज इष्टकान ने बताया कि संत शिरोमणी कबीर साहेब की जयंती हर वर्ष की भांति इस साल भी 29 जून को श्रद्धा भाव से मनाई जाएगी। गीता भवन मंदिर में सुबह समय 11 बजे कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें जिलेभर के लोग शामिल होंगे। बैठक में बलराज, महावीर सिंह, राजेंद्र सिंह, विजय प्रकाश, एडवाकेट राहुल निर्माण, कुलदीप खासा, राजेश बागडी, राकेश सौदा, रामनिवास, रिसाल सिंह, अनुराग, नरेश मौजूद रहे।

बाबा शंकरनाथ की समाधि पर उमड़ी आस्था

- विधायक ने बाबा शंकरनाथ समाधि पर मत्था टेका, प्राथमिक विद्यालय में शेड का उद्घाटन किया
- श्रद्धालुओं की ओर से रात्रि जागरण और भंडारा भी लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। विद्यालय में शेड का उद्घाटन करते हुए विधायक देवेन्द्र कादियान।

गुमड़ गांव में जय बाबा शंकरनाथ की समाधि पर भंडारे में पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर बाबा का आशीर्वाद लिया। इससे पूर्व श्रद्धालुओं की ओर से रात्रि जागरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान का ग्रामीणों ने फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया। विधायक कादियान ने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज में एकता, भाईचारे और सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं। विधायक ने गांव के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में करीब 5 लाख रुपए की लागत से तैयार किए गए शेड का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि स्कूलों में बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि रविंद्र पहल, हरिओम पंद्याल, नफे सिंह मास्टर, इंद्र पहल, रामचंद्र सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

अर्चना गुप्ता के स्वागत की तैयारियों को अंतिम रूप

सोनीपत। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय, सेक्टर-7 स्थित स्वर्ण कमल कार्यालय में सोमवार को जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज की अध्यक्षता में जिला कोर कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में 25 जून को हरियाणा भाजपा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता के सोनीपत आगमन पर होने वाले स्वागत समारोह की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में पंचकूला के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं कुरुक्षेत्र जिला प्रभारी दीपक शर्मा ने भी भाग लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में तय किया गया कि अर्चना गुप्ता का स्वागत जीटी रोड से जीवीएम गर्ल्स कॉलेज तक विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और व्यावसायिक संगठनों द्वारा पुष्प वर्षा, माल्यार्पण और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ किया जाएगा। मुख्य समारोह शाम चार बजे जीवीएम गर्ल्स कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज और जिला प्रभारी सतीश नांदल ने कार्यकर्ताओं से अधिकाधिक भागीदारी की अपील की। बैठक में मेयर राजीव जैन, डॉ. ओमप्रकाश अत्रे, माई राम कौशिक, तरुण देवीदास, नीरज कुमार, दिनेश अत्री, मनोज जैन, आजाद नेहरा और राजुकमार कटारिया सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश अध्यक्ष व मंत्री के समक्ष रखीं मांगें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

प्रगतिशील पिछड़ा समाज महासभा द्वारा शहर में गुढ़ा रोड स्थित बैकवर्ड भवन में कार्यक्रम आयोजित किया। रविवार रात को हुए कार्यक्रम में भाजपा की प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा और गोहाना के जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक के साथ शिरकत की। इस अवसर पर पिछड़ा समाज के लोगों ने तीन प्रमुख मांगों को प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष रखा।

महासभा के संरक्षक प्रो. शमशेर भंडेरी ने सरकार से गोहाना में पिछड़ा समाज पांच हजार वर्ग गज जगह दिलाने की मांग की। इसके साथ प्रथम व द्वितीय श्रेणी की नौकरियों व स्थानीय निकायों में 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने और गोहाना में राज्य स्तरीय पिछड़ा समाज का सम्मेलन कराने की मांग की। प्रदेशाध्यक्ष डा. गुप्ता ने इन मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखने और समाधान के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा के अध्यक्ष शेर सिंह बेडवाल ने की और संचालन सुभाष भट्टी ने किया।

गोहाना। प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता व कैबिनेट मंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

शिव मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य प्रारंभ

गोहाना। पुरानी अनाज मंडी स्थित प्राचीन शिव बालाजी धाम (बिचपड़ी वालो की धर्मशाला) में शिव मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए नींव रखी गई। हरिद्वार से श्री श्री 1008 आत्मप्रकाश महाराज के पावन सानिध्य में पंडित प्रकाश पंत द्वारा मंत्रोचारण के द्वारा यह कार्य संपूर्ण करवाया गया। धाम में श्री मेंहदीपुर बालाजी महाराज का मंदिर का कार्य भी पिछले वर्ष से ही चल रहा है। उसी श्रेणी में सोमवार को प्राचीन शिव मंदिर का भी जीर्णोद्धार का कार्य भी विधि विधान से प्रारंभ कर दिया गया। कार्यक्रम में डॉ. एसएन गुप्ता, शिवम मंगला, मोहन वर्मा, अनुज गुप्ता, कृष्ण लाल गोयल, सतबीर पांचाल, सुमित बंसल, सौरभ गोयल, पवन बंसल, नवीन गुप्ता, मोक्ष गुप्ता, हैप्पी बंसल, भूषण अग्रवाल, हिमांशु जिंदल एवं आशीष बंसल उपस्थित रहे।

महिला मंडल ने राहगीरों को पिलाई ठंडाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ज्येष्ठ मास की भीषण गर्मी व लू के बीच समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय जैन महिला मंडल ने राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से सोमवार को छबील लगाकर ठंडाई वितरित की। गुड़ मंडी स्थित एसएस जैन सभा परिसर में लगाई गई छबील में लोगों को ठंडी-मीठी ठंडाई वितरित की गई। कार्यक्रम का संचालन महिला मंडल की प्रधान शशि जैन और मंत्री ऊषा जैन के मार्गदर्शन में हुआ। ठंडाई तैयार करने से लेकर उसके वितरण तक सभी व्यवस्थाएं महिला शक्ति ने संभालीं। मंडल पदाधिकारियों ने बताया कि यह सेवा कार्य सुदर्शन लाल महाराज के शिष्य अरुण चंद्र महाराज के आशीर्वाद से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान राहगीरों और आमजन ने ठंडाई ग्रहण कर गर्मी से राहत महसूस की। मंडल के इस जनसेवा अभियान की सभी ने सराहना की। महिला मंडल ने समाज सेवा और मानव कल्याण के ऐसे कार्यों को भविष्य में भी निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। इस दौरान मंडल की सदस्य कमलेश जैन, मोना जैन, ज्योति जैन, अंजू जैन, शकुंतला, भावना, राखी, शिल्पा और सुनीता सहित काफी महिलाएं मौजूद रहीं।

सोनीपत। गुड़ मंडी क्षेत्र में राहगीरों को ठंडाई पिलाते जैन महिला मंडल की सदस्य।

एचएसवीपी कर्मचारियों ने की नौकरी सुरक्षा की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हड्डा जन स्वास्थ्य कर्मचारी यूनियन की ओर से एचएसवीपी परिसर सेक्टर-15 में संत शिरोमणि गुरु संत कबीर दास की 629वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष आरके नागर ने की, जबकि संचालन राज्य कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार रोहिल्ला ने किया। कार्यक्रम में एचएसवीपी कर्मचारियों के साथ समाज के गणमान्य लोगों ने भी भाग लिया। आर.के. नागर ने संत कबीर दास के जीवन और विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने सत्य, प्रेम, मानवता और धार्मिक सद्भाव का संदेश दिया तथा जात-पात और कर्मकांड का विरोध किया। जयंती के अवसर पर कर्मचारियों को लड्डू वितरित किए गए और जलपान की व्यवस्था की गई। इसके बाद आयोजित आम सभा और प्रदर्शन में कर्मचारियों ने हरियाणा सरकार, एचआरडी, कौशल रोजगार निगम और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। आर.के. नागर ने आरोप लगाया कि सरकार कच्चे कर्मचारियों को नौकरी सुरक्षा देने के वादे पूरे नहीं कर रही है। उन्होंने ठेकेदारों और एजेंसियों पर कर्मचारियों के शोषण के भी आरोप लगाए। साथ ही एचएसवीपी के राजीव गांधी एजुकेशन सिटी डिविजन में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग की। सभा में ध्रुव कुमार, योग प्रकाश नागर, सुरेंद्र रंगा, राकेश त्यागी, समेश कुमार, समे सिंह, शुभम, राजकुमार, शमशेर सिंह, राकेश चांवरिया, सुनील बीढला, बंसी लाल, जगदीश जोगड़ा और रमेश डाबला सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

कार्यक्रम प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और सतत जीवनशैली के प्रति दिया जागरूकता का संदेश

28 जून तक गोहाना के विद्यालयों में लगेंगे ग्रीन समर कैंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार इको क्लब फॉर मिशन लाइफ के तत्वावधान में खंड गोहाना के सभी राजकीय व निजी विद्यालयों में 22 जून से 28 जून तक ग्रीन समर कैंप आयोजित हो रहे है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता तथा सतत जीवनशैली के प्रति जागरूकता विकसित करना है। खंड शिक्षा अधिकारी ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत करवाते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला भी है।

गोहाना। पौधरोपण करते हुए क्लब के प्रतिनिधि।

इन्होंने किया पौधरोपण

ग्रीन समर कैंप का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी गोहाना बलजीत गहलावत, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोहाना मंडी की प्राचार्या मंजू, सत्यानंद पब्लिक स्कूल गोहाना की प्राचार्या कंचन आहूजा, एकाउंट्स एग्जीक्यूटिव बीईओ कार्यालय गोहाना गौरव कपूर, शीला सिंहरोहा (बीआरपी इंग्लिश) और संजय बीआरपी साइंस द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोहाना सिटी और सत्यानंद पब्लिक स्कूल गोहाना में पौधारोपण कर औपचारिक रूप से किया गया।

गीता विद्या मंदिर में ग्रीष्मकालीन शिविर शुरू

गोहाना। गीता विद्या मंदिर, गोहाना में सोमवार से बहुप्रतीक्षित ग्रीष्मकालीन शिविर-2026 का शुभारंभ प्राचार्य अश्वनी कुमार की अध्यक्षता में हुआ। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, व्यक्तित्व निखार तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे शिविर बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभाओं को उजागर करने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन एवं संस्कारों का विकास करते हैं। उशिविर में कक्षा तृतीय से नवमी तक के विद्यार्थियों के लिए नृत्य, संगीत, मेहंदी, कला एवं शिल्प, पाक-कला, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, कहानी वाचन, खेलकूद तथा टीम निर्माण जैसी अनेक रोचक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। प्रथम दिवस पर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला तथा उन्होंने विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर सहभागिता की।